वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 134 | शनिवार 7 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'विकास भी, विरासत भी' थीम पर विकसित हो महाराणा प्रताप सर्किट: उप मुख्यमंत्री, दीया कुमारी

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि टूरिस्ट सर्किट में यथासंभव महाराणा प्रताप से जुड़े सभी प्रमुख स्थलों को शामिल किया जाएगा। इसमें प्रयास रहेगा कि उन स्थलों पर अवस्थित ऐतिहासिक धरोहरों को यथावत रखते हुए उन्हें संरक्षित कर साफ-सफाई, सुरक्षा, लाइटिंग, ऑडियो गाईड, साउण्ड, पर्यटकों के लिए सुविधाएं, पेयजल, बैठक आदि की व्यवस्था की जाएगी।

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि महाराणा प्रताप का व्यक्तित्व बहुत विराट और विश्व वंदनीय है। राज्य सरकार की ओर से बजट घोषणा में प्रताप टूरिस्ट सर्किट के लिए 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। उप मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह संभागीय आयुक्त कार्यालय सभागार में महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट को लेकर हितधारकों के सुझाव प्राप्त करने के लिए आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि टूरिस्ट सर्किट में यथासंभव महाराणा प्रताप से जुड़े सभी प्रमुख स्थलों को शामिल किया जाएगा। इसमें प्रयास रहेगा कि उन स्थलों पर अवस्थित ऐतिहासिक धरोहरों को यथावत रखते हुए उन्हें संरक्षित कर साफ-सफाई, सुरक्षा, लाइटिंग, ऑडियो गाईड, साउण्ड, पर्यटकों के लिए सुविधाएं, पेयजल, बैठक आदि की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने धरोहर से छेड़छाड़ न करने व उसे मूल स्वरूप में ही संरक्षित करने के साथ-साथ धरोहर के प्रचार-प्रसार, सोशल मीडिया पर प्रमोशन तथा उसकी मार्केटिंग पर ध्यान दिया जाएगा ताकि अधिकाधिक पर्यटक इनकी ओर आकर्षित हो। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली सरकार ने कई स्थानों पर बड़ा बजट खर्च किया परंतु व्यवस्थित कार्ययोजना के अभाव में कोई सुधार नहीं दिखा।

केवड़िया की तर्ज पर वर्ल्ड क्लास म्यूजियम बने

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रताप टूरिस्ट सर्किट में अतिरिक्त नवीन निर्माण के बजाए विरासत को संरक्षित करने पर फोकस रहे तो बेहतर रहेगा। इसके अलावा गुजरात के केवडिया में स्टेच्यू ऑफ युनिटी के समीप बनाए गए म्यूजियम की तर्ज पर वर्ल्ड क्लास म्यूजियम बनाया जा सकता है। इसके माध्यम से पर्यटकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों को मेवाड़ और महाराणा प्रताप के गौरवशाली इतिहास से रूबरू होने का अवसर मिल सके। उप मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट, रेल्वे स्टेशन, हाईवे और प्रमुख मार्गों पर इन पर्यटन स्थलों की दिशा व दूरी बताने वाले साईनेज स्थापित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों से संपर्क करने के निर्देश दिए। उन्होंने एयरपोर्ट पर भी महाराणा प्रताप से जुड़े पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त नहीं होने पर कहा कि एयरपोर्ट टूरिस्ट इंफोर्मेशन सेंटर विकसित किया जाना चाहिए, ताकि बाहर से आने वाले पर्यटकों को एयरपोर्ट पर ही क्षेत्र के प्रमुख स्थलों तथा वहां तक पहुंचने के मार्ग व साधनों की जानकारी मिल सके। बैठक के दौरान जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने देवली में महाराणा प्रताप के अज्ञातवास स्थल तथा राणा पूंजा के योगदान को भी सर्किट में शामिल करने का सुझाव दिया। लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने कहा कि महाराणा प्रताप प्रभु राम की परंपरा से आते हैं, मेवाड़ के राजा एकलिंगनाथ को माना जाता है, यहां धर्म को दृढ़ रखना ध्येय वाक्य रहा है, ऐसे में उन भावनाओं का समावेश भी टूरिस्ट सर्किट में होना चाहिए। इसके अलावा वीर दुदा और भीलू राणा पूंजा को भी स्थान मिले। राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि महाराणा होली बनाने कमलनाथ मंदिर झाड़ोल आते थे। उस स्थल को भी कवर किया जाएगा। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने टीकम बावजी तथा वहां बने शस्त्रागार को शामिल करने की पैरवी की। साथ ही भामाशाह पैनोरमा उदयपुर में बनाए जाने का सुझाव दिया। उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने उबेश्वर महादेव, कलेश्वर महादेव, झामेश्वर तथा नांदेश्वर स्थलों को भी विकसित करने का सुझाव दिया। नाथद्वारा विधायक विश्वराजसिंह मेवाड़ ने विरासत स्थलों के संरक्षण को प्राथमिकता दिए जाने का सुझाव दिया। कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्रसिंह राठौड़ ने केलवाड़ा, गोरा बादल युद्ध स्थल आदि को विकसित करने की पैरवी की। ऐसे ही राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी और भीम विधायक हरी सिंह रावत ने भी सुझाव दिए। गोगुन्दा विधायक प्रताप गमेती ने प्रताप से जुड़े स्थलों पर बने स्मारक आदि के रखरखाव को लेकर दूरगामी कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया।

जनप्रतिनिधि सबसे बड़े इंफ्लूएंजर्स

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रताप टूरिस्ट सर्किट परियोजना में प्रचार-प्रसार और विशेष कर सोशल मीडिया पर प्रचार को लेकर भी विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को इंगित करते हुए कहा कि आप सभी सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और सबसे बड़े इंफ्लूएंजर्स हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपने क्षेत्र के ऐतिहासिक स्थलों पर जाकर उनकी तथ्यात्मक जानकारी के साथ अपने सोशल मीडिया हैण्डल पर पोस्ट साझा करने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक लोग इन स्थलों के बारे में सही जानकारी प्राप्त कर वहां तक पहुंच सकें। प्रारंभ में धरोहर प्रोन्नति प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकारसिंह लखावत ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आजादी के बाद पहला बजट है, जिसमें महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट को लेकर घोषणा की गई। इससे स्पष्ट है कि सरकार विरासत संरक्षण को लेकर प्रतिबद्ध है। किसी महापुरूष को लेकर यह पहली बड़ी घोषणा है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के स्वाभिमान से पूरी दुनिया परिचित है। महाराणा ने तृणचर, वनचर कहलाना पसंद किया, लेकिन मुगलों का अनुचर बनना कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि टूरिस्ट सर्किट में प्रताप से जुड़े सभी प्रमुख स्थलों को शामिल करते हुए वहां पर सुविधाओं, आवागमन, आवास, ग्रंथालय आदि का विकास किया जाएगा। इसके अलावा मेवाड़ व प्रताप के इतिहास को आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए प्रस्तुत करने का प्रयास रहेगा। इसके लिए प्रताप से जुड़े साहित्यों का भी अध्ययन किया जा रहा है।

आगरा में दीक्षार्थी बहनों की गोद भराई हुई तथा बिनौली यात्रा निकाली

आगरा. शाबाश इंडिया

मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विश्वसौम्यसागर जी महाराज इन दिनों आगरा के कमला नगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर के आचार्य श्री विद्यासागर संत निलय में मंगल चातुर्मास हेतु विराजमान हैं। 6 सितम्बर को मेडिटेशन गुरू उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य एवं अर्पितमय पावन वषायोग समिति ग्रेटर कमला नगर के तत्वावधान में आगरा के कमला नगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर के आचार्य श्री विद्यासागर संत निलय हॉल में दीक्षार्थी ब्रह्मचारिणी नीतू दीदी एवं प्रियंका दीदी की भव्य बिनौली यात्रा एवं गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें भक्तों ने दीक्षार्थी ब्रह्मचारिणी दीदीयों एवं ब्रह्मचारी भैय्याजी को रथ पर बैठाकर श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कर्मयोगी एन्क्लेव कमला नगर से बैंण्ड बाजों के साथ भव्य बिनौली यात्रा निकाली। बिनौली यात्रा के श्री महावीर दिगंबर जैन मन्दिर पहुंचकर दीक्षार्थी ब्रह्मचारिणी नीतू दीदी एवं प्रियंका दीदी ने उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज के समक्ष श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद उपस्थित सभी भक्तों ने दीक्षार्थी ब्रह्मचारिणी दीदीयों की गोद भराई की मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न कीं।धर्मसभा में ब्रह्मचारिणी प्रियंका दीदी सहित अन्य ने कहा कि आज मानव अध्यात्म से हटकर संयमविहीन जीवन जी रहा है। संयम मानव जीवन का सबसे बड़ा गुण है। संयम मनुष्य को आत्म साधना के पथ के लिए प्रेरित करता है। जैन धर्म अहिंसा मय धर्म होने के साथ त्याग व तपस्या का धर्म है। वह इसी सिद्धांत पर चलकर सांसारिक मोह माया को त्याग कर चल रहा है।

ज्ञानी व्यक्ति भगवान से प्रीति करते हैं, जिससें उन्हें दिव्या ज्योति की प्राप्ति होती है। आपको बता दें कि दीक्षार्थी ब्रह्मचारिणी नीतू दीदी एवं प्रियंका दीदी को भारत गौरव राष्ट्रसंत आचार्य श्री विहर्षसागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में 12 अक्टूबर को झारखण्ड के श्री सम्मेद शिखर जी में जैनश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गयो इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी, जगदीश प्रसाद जैन,रोहित जैन अहिंसा,मुकेश जैन रपरिया, राकेश जैन बजाज,अनिल रईस,नरेश जैन, अनिल जैन,पवन जैन,राजकुमार गुड्डू,शुभम जैन, समकित जैन,अनुज जैन,समस्त कमला नगर जैन समाज के अलावा विभिन्न शैलियों के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रिपोर्ट शुभम जैन

वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी ने आचार्य पद स्थली पारसोला में दी रत्नत्रय के प्रतिक 3 दीक्षाएं

पारसोला राजस्थान

प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवती आचार्य श्री शांतिसागरजी की अक्षुण्ण मूल बाल ब्रह्मचारी पट्ट परम्परा के पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी वर्ष 2024 का वर्षायोग पारसोला में कर रहे है इस बेला में दिनांक 6 सितंबर को ब्रह्मचारी प्रदीप जी 108 मुनि श्री प्रणित सागर जी, ब्रह्मचारिणी शकुंतला किकावत 105 आर्यिका श्री प्रेक्षा मति, दिलीप जी अलासे क्षुल्लक श्री प्राप्त सागर जी बने। श्रीमद् जैन धर्म की यही विशेषता है कि इस धर्म में सम्यक दर्शन सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र को धारण कर कर सिद्ध अवस्था को प्राप्त किया जा सकता है। सम्यक दर्शन और सम्यक ज्ञान के बाद चारित्र अर्थात साधु जीवन अपनाना जरूरी है चर्या में परिवर्तन करना ही दीक्षा है, संसार की दौड़ से दूर होना दीक्षा है ।संसारी प्राणी इच्छाओं से ग्रसित है संसार रुलाता है दीक्षा लेकर शिष्य को गुरु संगति में रहना चाहिए ।जैन धर्म तीर्थंकर भगवान द्वारा प्रतिपादित, अनुमोदित, धारित श्रमण धर्म है। प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज ने अपने संयम पुरुषार्थ से श्रमण परंपरा को पुनर्स्थापित किया ।उत्तर भारत में चातुर्मास कर धर्म प्रभावना ,धर्म जागृति ,और सुप्त हो रही समाज को जागृत किया। आज सभी दीक्षार्थी गुरु और परिवार परंपरा अनुसार दीक्षा ले रहे हैं ब्रह्मचारी प्रदीप जी के गृहस्थ अवस्था के पिता,माता,बहन क्षुल्लक समाधि सागर बने ,उनकी माता ने हमसे दीक्षा लेकर आर्यिका मूर्तिमति बनी और बहन भी दीक्षा लेकर आर्यिका सुवैभव मति बनी। ब्रह्मचारिणी शकुंतला जी के ग्रहस्थ अवस्था के पति ने भी हमसे दीक्षा लेकर मुनी पदम कीर्ति सागर बने और दिलीप जी के बड़े भाई ने भी हमसे दीक्षा लेकर मुनि परमानंद सागर बने तथा पत्नी भी दीक्षा लेकर संघ में आर्यिका विनम्रवती के रूप में है। शिष्य को दीक्षा लेकर गुरु के प्रति कृतज्ञता को दिल में समर्पण भाव के साथ धारण करने से साधना में सफलता मिलती है । यह धर्म देशना आचार्य वर्धमान सागर जी ने दीक्षा के अवसर पर प्रकट की । राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने उपदेश में बताया कि यह संसार प्रतिकूल है संयम से संसार को अनुकूल बनाया जाता है और इंद्रियों की दासता दूर की जाती है। शिष्य को गुरु को अपना जीवन समर्पित करना चाहिए ख्याति नाम यश पूजा से दूर रहना चाहिए ।इसी पारसोला नगर में सन 1990 में मूलचंदजी घाटलिया ने मुनि दीक्षा लेकर मुनि ओम सागर जी बने आर्यिका पूर्वी मति भी इसी नगर की है साधु अपने जीवन में मृत्यु से भयभीत नहीं होता है साधु जीवन में साधना के बल पर मृत्यु पर विजय प्राप्त करता है ।प्रथमाचार्य आचार्य शांति सागर जी महाराज ने अपने संयम साधना से श्रमण साघु मार्ग को खोला और 36 दिन की सल्लेखना लेकर समाधि का आदर्श प्रस्तुत किया। आचार्य श्री ने बिसतुनिया ग्राम का जिक्र कर बताया कि इस नगर ग्राम में एक भी जैन परिवार नहीं है राजपूत समाज है उन्होंने मुनी पदम कीर्ति महाराज की समाधि के समय एक बीघा जमीन दान देकर समाधि स्थल बनाया है नगर के नागरिक हर माह संघ के दर्शन हेतु आते हैं। इसके पूर्व दीक्षार्थियों की शोभा यात्रा श्री वर्द्धमान सागर सभागार में पहुंची। दिगंबर जैन दशा हूमड़ समाज एवं वषायोग समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दीक्षा समारोह श्यामा वाटिका कार्यक्रम सभागार में भगवान और पूर्वाचार्यों का चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन दीक्षार्थी परिवार द्वारा किया गया।

बिना विचारे कठोर शब्दों का प्रयोग मत करोः युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

पर्युषण पर्व का छठा दिन

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। बिना सोचे-समझे किसी के प्रति कठोर या आहत करने वाले शब्दों का उपयोग नहीं करना चाहिए। इससे दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुँच सकती है। शुक्रवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज ने पर्युषण महापर्व की विषेश प्रवचन धर्मसभा मे श्रध्दांलुओ को संबोधित करते हुए कहा कि जब शरीर में कांटा चुभ जाए तो शरीर में वेदना का लावा फूटता है। फिर उस कांटे को निकाल दो तो राहत मिल सकती है, लेकिन कुछ देर तक वेदना तो रहती ही है। उन्होंने कहा कांटा निकालना आसान है लेकिन बोलते समय हमारे शब्द कटु बन गए तो वह लंबे अरसे तक दर्द का कारण बन जाते है। इसलिए ज्ञानी कहते हैं बोलते समय सावधान रहना जरूरी है। उन्होंने एक दृष्टांत देते हुए कहा कि हमारे शब्दों के भाव लंबे अरसे तक रहते हैं। उन्होंने कहा कि ठाणांग सूत्र में कहा गया है कि हमें छः प्रकार के अवचन नहीं बोलने चाहिए। उनमें से एक असत्य वचन की विवेचना करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि असत्य वचन विश्वास को नष्ट करने वाला है। यह हमारे भीतर की शक्ति को आघात पहुंचाने और विश्वास का बल तोड़ने वाला है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि सत्य आपकी रक्षा करने वाला होता है। सत्य का इतना प्रभाव होता है कि सामने वाले को विश्वास हो जाता है। उन्होंने कहा अगर गलती से बचना है, उसका निराकरण, प्रमार्जन करना है तो सत्य बोलो। गलती करके झूठ बोलना और बड़ी गलती हो जाती है। सत्य बोलने से यह विश्वास जम जाता है कि वह व्यक्ति झूठ नहीं बोल सकता। सत्य बोलें लेकिन उसमें किसी के अपमान, तिरस्कार करने वाले शब्द होते हैं तो सामने वाले के हृदय को चोट पहुंचती है। इसलिए इससे बचना चाहिए। सत्य बोलने की स्थिति में भी अपमान वाले शब्द सामने वाले को चुभ जाते हैं। बोलते समय सावधान रहते हैं तो इसका बहुत बड़ा प्रभाव है। उन्होंने कहा हम जानते हैं, प्रत्येक आत्मा में अनंत शक्ति रही हुई है लेकिन वाणी का सामर्थ्य हमारे अंदर ही है। हम इसकी ताकत को जानते हैं। लेकिन कई बार उसकी ताकत को समझ नहीं पाते। जो प्राणी सोचता नहीं, उसे बोलने का सामर्थ्य नहीं मिलता। अच्छे शब्दों का प्रभाव बहुत होता है। इसलिए हमें तिरस्कारयुक्त वचन नहीं बोलना चाहिए। बात छोटी- सी होती है लेकिन शब्द सामने वाले के हृदय में पहुंचते हैं। वे उसके हृदय को आंदोलित करते हैं। उन्होंने कहा पर्युषण महापर्व संकल्प की अभिव्यक्ति करने का सुंदर अवसर है। हम अपने मुंह को क्यों खराब करते हैं। यह मुंह ही नहीं, पूरे शरीर को डिस्टर्ब कर देता है। अभी भी यह शुरूआत है, उसे वहीं खत्म कर दो। तिरस्कार के वचन हमारे बोल बिगाड़ते हैं। ऐसे में मतभेद होना स्वाभाविक है। महज बात तूल पकड़ लेती है तो वह महाभारत का रुप ले लेती है। हमें उपेक्षा स्वरूप शब्द नहीं बोलना है। उपेक्षा वाले शब्द हमारे व्यवहार को, सामने वाले के हृदय को आघात पहुंचाने का कार्य करेंगे। बिना विचारे कठोर वचन मत बोलो बल्कि विचारपूर्वक बोलो। जो झगड़े शांत हो गए, उन्हें शुरू करने वाले वचन नहीं बोलना चाहिए। यह पर्युषण पर्व हमें नई ऊर्जा देने वाला है। जिस किसी को पीड़ा पहुंचाई, उनसे क्षमा याचना कर लें। साध्वी अणिमाश्री ने अंतगड़ सूत्र का वांचना करतें हुए कहा पुरुषार्थ किए बिना आत्म उत्थान नहीं हो सकता है जीवन में लक्ष्यों को प्राप्त करना है तो धर्म के मार्ग पर चलो। महासंघ के महामंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने बताया बड़ी संख्या में तपस्यार्थियों ने 6,7,8,9,11 उपवास के साथ वरिष्ठ सुश्राविका विमलाबाई सिंघवी व कांताबाई चोरड़िया ने 35 उपवास के आगे बढ़ रहे हैं। प्रियंका आशीष गादिया, ताराबाई देसरला, पूजा खींचा ने 9 उपवास की युवाचार्य प्रवर से पचकावनी ली।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक 8 सितम्बर को सूरत में

देश भर से राष्ट्रीय व राज्य पदाधिकारियों की रहेगी उपस्थिति, शैक्षणिक क्षेत्र के मारवाड़ी प्रतिभावान विद्यार्थियों व विशिष्ट जनों को किया जाएगा सम्मानित

सूरत. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वर्तमान सत्र 2023-25 की सर्वोच्च नीति निर्धारक ''अखिल भारतीय समिति'' की बैठक का आयोजन 8 सितम्बर 2024 को सुबह 11 बजे गुजरात प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के बैनर तले सूरत के सिटीलाइट स्थित द्वारका हॉल में रखा गया है। जानकारी देते हुए गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष गोकुलचंद बजाज ने बताया कि रविवार 8 सितम्बर को दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक सिटीलाइट स्थित अग्रसेन भवन के द्वारका हॉल में गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा उन मारवाड़ी प्रतिभावान विधार्यार्थियो व विशिष्ट महानुभावों आदि को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने आई ए एस, आई पी एस, आई आर एस, आई आई टी एस, आई आई एम, एम बी बी एस, एम एस, एम, डी, सी ए, बी टेक, एम टेक, एल एल बी, पी एच डी, एम बी ए, सी एम ए, सी एस आदि विशिष्ट उपलब्धियां हासिल की है, इसी तरह व्यापार-उद्योग, समाज सेवा, कला-संस्कृति, खेलकूद, पत्रकारिता, वैज्ञानिक शोध एंव अन्वेषण आदि में कोई विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले महानुभवों को सम्मानित किया जाएगा। बजाज ने बताया कि गुजरात प्रादेशिक इकाई के संस्थापक अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल सहित सभी पदाधिकारी व सदस्य इस बैठक के आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हें। संगठन के महामंत्री सी ए राहुल अग्रवाल व सी ए विजय मित्तल ने बताया कि इस बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश पति तोदी आदि की उपस्थिति रहेगी।

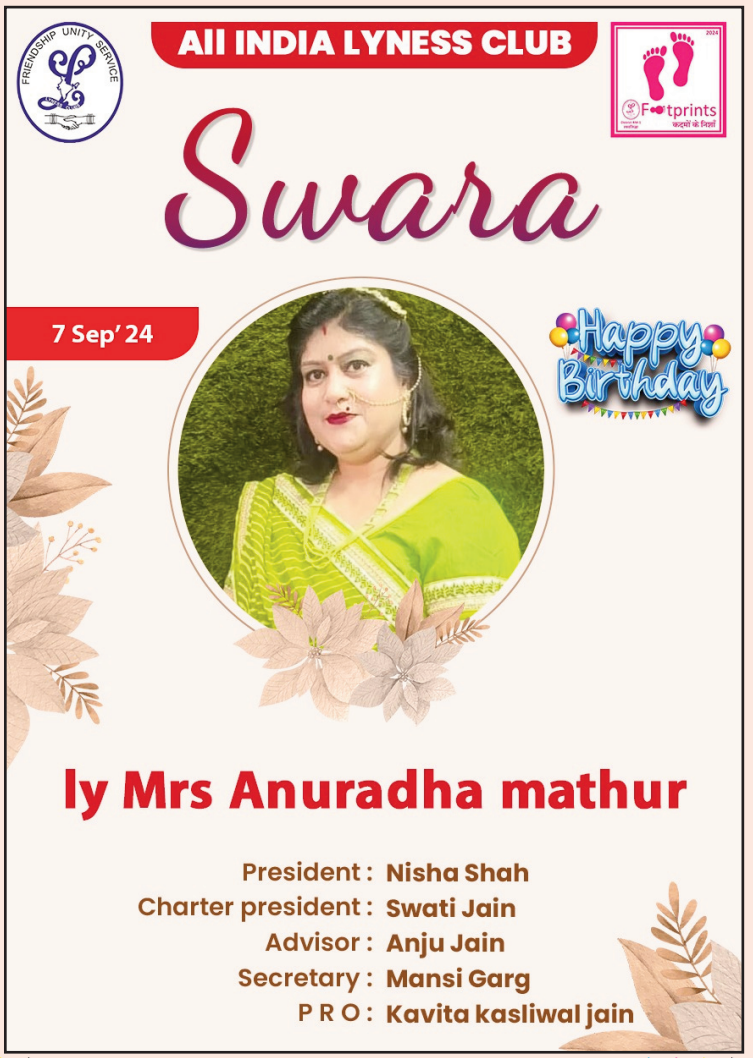

वेद ज्ञान

इंसान के भाग्य में क्या लिखा है उसे जानना इंसान के बस में है

अपने भाग्य या भविष्य को जानने के प्रति इंसान का जिज्ञासु होना स्वाभाविक है और इसीलिए अतीत काल से इस दिशा में बहुत सारी विधाएं प्रचलन में रही हैं। मसलन ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान, फेस रीडिंग, न्यूमेरोलोजी, टैरो कार्ड इत्यादि। इनसे अलग एक और सोच है जो कहती है कि इंसान के भाग्य में क्या लिखा है यह जानना बहुत कुछ उस इंसान के बस में है और यह संभव है कर्म करने से अर्थात कर्म विज्ञान द्वारा। इसके अनुसार इंसान को अपना भाग्य जानने के लिए इच्छित दिशा में पूरे परिश्रम और ईमानदारी से प्रयास करने होंगे। और यदि उस दिशा में सफलता मिल जाती है तो समझ लेना चाहिए कि ऐसा उसके भाग्य में लिखा था जिसे उसने सच्ची श्रद्धा और अपनी मेहनत से जाना, न कि किसी भविष्यवेत्ता की सहायता से। मतलब इंसान को अपने प्रारब्ध या भाग्य को स्वयं कर्म करके जानना होगा। यहां आकर गीता के कर्मयोग के सिद्धांत का भाग्य के सिद्धांत से समन्वय देखने को मिलता है। इस दृष्टिकोण के मुताबिक इंसान को अपना भाग्य जानने के लिए किसी के पास जाने की जरूरत नहीं है, बल्कि स्वयं कर्म करके जानना उसके लिए ज्यादा सुगम और आसान है। हां, उसे कोई भी प्रयास करने से पहले अपनी योग्यता और क्षमता को ध्यान में जरूर रखना चाहिए। दूसरी तरफ कुछ ऐसे भी लोग हैं जो मानते हैं कि उनके भाग्य में जो कुछ लिखा होगा तो उसे देने के लिए कर्म भी ईश्वर ही करवा लेंगे। ऐसे महानुभाव खुद कोई जिम्मेदारी न लेकर सब कुछ ईश्वर पर छोड़े रखना चाहते हैं। उदाहरण के तौर पर ये कहते हैं कि किसी के भाग्य में आइएएस बनना लिखा है तो ईश्वर ही आवेदन पत्र भरवाएगा, परीक्षा की तैयारी करवाएगा, सफल कराएगा और नियुक्ति पत्र भी घर भिजवाएगा। मेरा मानना है कि यदि इंसान के भाग्य में आइएएस बनना है तो उसे सच्ची निष्ठा से मेहनत करने पर सफलता मिल जाएगी और यदि उसके भाग्य में आइएएस बनना नहीं है तो भी यह जानने के लिए उसे उतनी ही सच्ची निष्ठा से मेहनत तो करनी ही पड़ेगी और तभी जाकर उसे अपने भाग्य में लिखे का पता चल सकेगा। अतः यह ठीक से समझ लेना चाहिए कि इंसान के भाग्य में क्या लिखा है उसे जानना इंसान के बस में है। भाग्य को जानने का रास्ता कर्ममार्ग से होकर जाता है।

संपादकीय

शांति का एक हल्का सा झोंका

जब रूस और यूक्रेन भयानक युद्ध की आग में झुलस रहे हों, तब शांति का एक हल्का सा झोंका भी खुशी व उम्मीद से भर देता है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि भारत, चीन और ब्राजील संभावित शांति-वार्ता में मध्यस्थ के रूप में काम कर सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने इस मौके पर यह भी याद दिलाया कि युद्ध के शुरूआती हफ्तों में इस्तांबुल में हुई वार्ता में रूसी और यूक्रेनी

वार्ताकारों के बीच एक शुरूआती समझौता हुआ था, जिसे कभी लागू नहीं किया गया, वही छूटा हुआ समझौता आगे शांति-वार्ता के लिए जमीन तैयार कर सकता है। पुतिन अगर वाकई युद्ध से अलग कुछ सोच रहे हैं, तो उनकी प्रशंसा होनी चाहिए। वास्तव में, यह ऐसा युद्ध है, जो मानो दो भाइयों के बीच हो रहा है और इसके नतीजे कभी सुखद नहीं होंगे। अंततः वार्ता की मेज पर अमन-चैन की राह तैयार करनी पड़ेगी, यह समझ जितनी जल्दी जाग जाए, दुनिया के लिए उतना ही अच्छा है। इस युद्ध में हार-जीत बहुत मुश्किल है। रूस हार नहीं सकता और यूक्रेन को अमेरिका हारने नहीं देगा। अब पहला सवाल तो यही उठता है कि क्या वाकई रूस शांति चाहता है? क्या भारत, चीन या ब्राजील को आगे करते हुए पुतिन शांति-वार्ता के लिए लालायित हैं? क्या शांति-वार्ता या मध्यस्थता की चर्चा छेड़ना रूस की युद्ध रणनीति का नतीजा है? पुतिन ने युद्ध में जैसी निर्ममता का परिचय दिया है, उसे जल्दी भुलाया नहीं जा सकता। एक दशक पहले तक उनकी छवि बहुत अच्छी थी, पर धीरे-धीरे उनकी उग्रता बढ़ती गई और दूसरे देशों के प्रति बैर-भाव भी बढ़ता चला गया। साल 2022 से ही युद्ध जारी है और ढाई वर्ष से ज्यादा समय बीत चुका है, अब भी युद्ध का अंत नहीं दिख रहा है, तो इसके लिए सर्वाधिक जिम्मेदारी पुतिन के खाते में ही दर्ज है। पुतिन ने ही पहले हमला किया और कायदे से उन्हें ही पहले हथियार पीछे करने चाहिए। क्या ब्राजील की बात रूस मानेगा? क्या चीन खुलकर युद्ध के खिलाफ कुछ कहेगा? अकेला भारत ही है, जो शुरू से ही कह रहा है कि वह युद्ध नहीं चाहता। चीन को ज्यादातर रूस के करीबी सहयोगी के रूप में देखा गया है और धीरे-धीरे रूस की चीन पर निर्भरता बहुत बढ़ती गई है, इसके बावजूद अगर चीन आगे बढ़कर युद्ध को खत्म कराने के लिए काम करता है, तो यह एक अच्छी खबर होगी। हो सकता है, चीन कभी न चाहे कि भारत एक मध्यस्थ के रूप में सफल हो। अगर ऐसा है, तो भी चीन ही आगे बढ़कर पहल करे, तो दुनिया के लिए ज्यादा अच्छा है, इससे चीन की साम्राज्यवादी मंसूबे वाली छवि भी सुधरेगी। यह चिंता की बात है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में रोज औसतन 200 से ज्यादा लोग काल के गाल में समा रहे हैं। मरने वालों का निश्चित आंकड़ा तो नहीं है, पर यह माना जा रहा है कि समग्रता में चार लाख से ज्यादा मौतें हुई हैं। रूस के पास धन की कमी नहीं है, पर उसकी वैज्ञानिक तरक्की सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हम सामंती युग में नहीं

इस तरह के मामले अक्सर उठते रहे हैं कि सरकारें दागी अफसरों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने के बजाय इसकी अनदेखी करती है। कई बार आरोपी अधिकारी की तैनाती उसके पसंद के पद पर भी कर दी जाती है। यह प्रकारांतर से उसे बचाने या पुरस्कृत करने जैसा ही है, जिसे सरकार अपने अधिकार क्षेत्र में मानती है। जबकि इस तरह के रुख को न केवल नियमों के विरुद्ध माना जाता है, बल्कि यह मनमानी भी है, जिससे सबसे ज्यादा लोकतांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों को नुकसान पहुंचता है। उत्तराखंड के एक मामले की सुनवाई करते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे ही मनमानी रवैये के खिलाफ तीखी टिप्पणी की है और इसे एक तरह से लोकतंत्र के विरुद्ध बताया है। गौरतलब है कि भारतीय वन सेवा यानी आइएफएस के एक अधिकारी को उत्तराखंड के राजाजी टाइगर रिजर्व का निदेशक बनाए जाने पर सर्वोच्च न्यायालय ने तीखी नाराजगी जताई और राज्य के मुख्यमंत्री को सख्त फटकार लगाई। अदालत ने साफ कहा कि जिस अफसर को पेड़ों की गैरकानूनी तरीके से कटाई के मामले में जिम कार्बेट टाइगर रिजर्व से हटाया गया था, उसे रिजर्व का निदेशक क्यों बना दिया गया! हैरानी की बात यह है कि जिस अधिकारी पर किसी भी रूप में कानून के विरुद्ध आचरण का आरोप लगा हो, उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के बजाय प्रक्रिया के तहत आरोपमुक्त होने से पहले ही फिर से उसे निदेशक जैसे पद पर तैनात कर दी जाती है। क्या उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के लिए लोकतांत्रिक दायित्वों और मयार्दा के यही मायने हैं? दरअसल, इस नियुक्ति में नियम-कायदों, नैतिकता और लोकतांत्रिक परंपराओं को जिस तरह ताक पर रख दिया गया, शायद उसी के मद्देनजर शीर्ष अदालत को यह टिप्पणी करने की जरूरत पड़ी कि 'हम सामंती युग में नहीं हैं कि जैसा राजा बोले वैसा ही होगा।'

हालांकि इस मसले पर विवाद के बाद राज्य सरकार ने इस नियुक्ति के आदेश को वापस ले लिया, लेकिन इस संबंध में एक तथ्य यह सामने आया कि विभागीय मंत्री, मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस नियुक्ति के पक्ष में नहीं थे, इसके बावजूद इस असहमति पर विचार करने के बजाय उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने दागी अफसर को निदेशक बना दिया। जाहिर है, यह अपने दायित्व और अधिकार की सीमा पर गौर नहीं करने का ही एक उदाहरण है। भ्रष्टाचार या अन्य अनियमितता के आरोपों की वजह से कार्रवाई के दायरे में आने के बाद भी दागी अफसरों की ओर से आंखें मूंदे रखना या प्रकारांतर से उसे राहत पहुंचाने या पुरस्कृत करने को सरकारों और खासतौर पर शीर्ष पद पर बैठे व्यक्ति ने मानो अपना अधिकार मान लिया है। कम से कम इस बात का इंतजार भी नहीं किया जाता है कि अगर किसी अधिकारी पर अनियमितता के आरोप लगे हैं, तो उसके खिलाफ विभागीय जांच या कानूनी प्रक्रिया पूरी हो जाए। इस तरह का रवैया किसी ऐसी व्यवस्था में ही आम हो सकता है, जहां एक व्यक्ति की मर्जी से सरकार और समूचा तंत्र चलता है। ऐसे मामले देश के अलग-अलग राज्यों से अक्सर आते रहते हैं, जिसमें भ्रष्टाचार या किसी अन्य गंभीर आरोप से घिरे व्यक्ति के मामले में उचित कार्रवाई करने के बजाय उसे राहत या किसी अहम जगह पर तैनाती दी जाती है।

जैन धर्मावलंबियों ने रोट तीज पर्व मनाया

अभिषेक शांतिधारा के बाद घर-घर बनाए गए रोट

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे जैन मुनि अनुसरण सागर महाराज के सानिध्य में शहर के सभी जिनालयों में दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का रोट तीज पर्व शुक्रवार को हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि रोट तीज पर्व को लेकर मंदिरों में तीन चोबिसी विधान, मण्डल विधान, अभिषेक, शांतिधारा सहित अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जौंला ने बताया कि भाद्रपद शुक्ला तृतीया को नित्य प्रति पूजा के साथ चोबिस महाराज की तीन चोबिसी पूजा जगह जगह मंदिरों में गई। विमल जौंला एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि जैन समुदाय में रोट तीज का त्योहार का बड़ा ही महत्व है। रोट तीज के दिन पूजा विधान से लक्ष्मी अटल रहती है। इस दिन महिलाओं ने रोट तीज का व्रत एवं उपवास भी किया है। जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा एवं त्रिलोक सिरस ने बताया कि दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का शहर के सभी जैन मंदिरों में 8 सितंबर रविवार से दशलक्षण महापर्व प्रारंभ होंगे जो मंगलवार 17 सितंबर तक चलेंगे। इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होंगे। बड़ा जैन मंदिर के अध्यक्ष विनोद जैन मंत्री मोहित चंवरिया एवं कोषाध्यक्ष विमल गिन्दोडी ने बताया कि 13 सितंबर को सुगन्ध दशमी मनाई जाएगी एवं 17 सितंबर को अनन्त चतुर्दशी तथा दशलक्षण महापर्व का समापन पर बड़े जैन मंदिर पर सामूहिक कलशाभिषेक होंगे। महावीर प्रसाद छाबड़ा एवं अशोक बिलाला ने बताया कि 18 सितंबर बुधवार को षोडशकारण समापन कलशाभिषेक एवं पड़वा ढोक क्षमावाणी पर्व मनाया जाएगा।

महावीर इंटरनेशनल केंद्र डडूका की मासिक बैठक संपन्न

डडूका. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल डडुका केंद्र की मासिक बैठक सुंदरलाल पटेल के अध्यक्षता पूर्व उपसरपंच गलजी भाई बागड़िया के मुख्य अतिथ्य, सेवानिवृत शिक्षक ललिता शंकर जोशी एवं जगदीश वागड़िया की विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुई ।बैठक में सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हुए उपस्थित समस्त शिक्षकों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर धार्मिक आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सुन्दर भाई पटेल, लाल शंकर,राजेश महावई और विजयपाल का पुष्पहार द्वारा हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस माह होने वाली गतिविधियों में हिंदी दिवस आयोजन पर विविध कार्यक्रम स्कूल के माध्यम से करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र कोटिया ने किया एवं आभार जगदीश चंद्र बगड़िया ने व्यक्त किया।

वनतारा की गुहार : रोका जाए नमीबिया में जानवरों का वध

जानवरों के सरंक्षण को तैयार है वनतारा

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

अनंत अंबानी के नेतृत्व में बने 'वनतारा' ने नमीबिया सरकार से जानवरों के वध को रोकने का आग्रह किया है। दरअसल नमीबिया सूखे और अकाल से जूझ रहा है और इसी के चलते वहां की सरकार ने जानवरों को मारने का फैसला लिया है। भारत स्थित नमीबिया के दूतावास को लिखे पत्र में वनतारा ने जानवरों को संरक्षण देने का इरादा जताया है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि सूखे के कारण नमीबिया की लगभग 84 फीसदी खाद्य आपूर्ति समाप्त हो गई है। देश में उपजे खाद्य संकट से निपटने के लिए 700 से अधिक जंगली जानवरों को मारने की तैयारी है। नमीबिया के पर्यावरण, वानिकी और पर्यटन मंत्रालय द्वारा घोषित लिस्ट के अनुसार, 83 हाथियों, 60 भैंसों, 30 दरियाई घोड़ों, 100 ब्लू वाइल्डबीस्ट, 50 इम्पाला और 300 जेबरा को मारा जाना है। वनतारा ने जानवरों का वध रोकने के लिए नमीबिया सरकार और वहां के अन्य संगठनों के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जाहिर की है। वनतारा संस्थान को भरोसा है कि सब मिलकर इन जानवरों को एक नई जिंदगी दे पाएंगे। नमीबिया दूतावास की ओर से अभी कोई उत्तर नहीं मिला है, पर वनतारा को उम्मीद है कि वे जानवरों को बचा पाएंगे।

नेमीसागर कॉलोनी मंदिर दसलक्षण समारोह के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के नेमीसागर कालोनी स्थित श्री नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 8 सितम्बर से दस दिनों तक दसलक्षण महापर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। दसलक्षण समारोह के पोस्टर का विमोचन आज राज्य के उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा द्वारा किया गया। साथ ही बैरवा को समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर बैरवा ने कहा कि जैन धर्म की संयम एवं साधना से वे बहुत प्रभावित है। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी दसलक्षण पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। इस दौरान प्रतिदिन सुबह नित्याभिषेक, शांतिधारा एवं दसलक्षण मण्डल विधान साजबाज के साथ किया जावेगा तथा प्रतिदिन स्वाध्याय कक्षा, आरती एवं सायंकाल में संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

आदिनाथ पब्लिक स्कूल में ईको फ्रेंडली गणेश मेकिंग एक्टिविटी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर स्थित आदिनाथ पब्लिक स्कूल में ईको फ्रेंडली गणेश मेकिंग एक्टिविटी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी कक्षाओं के विद्यार्थीयों ने अपनी अपनी टीचर के मार्गदर्शन में गणेश प्रतिमा का निर्माण किया। प्रकृति की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केवल बायो- डिग्रडेबल इंग्रेडिएंट्स का प्रयोग किया गया। प्री प्राइमरी विंग में नन्हे नन्हे बच्चो ने अगूंठे की छाप से भगवान गणेश का सुंदर चित्र बनाया। प्रिंसिपल, टीचर्स एवं आये हुए अभिभावको ने बच्चों के इस प्रयास की प्रशंसा की।

आसना की दो छात्राएं व शिक्षक सम्मानित

आसना. शाबाश इंडिया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसना में शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर सुश्री पूर्वा सुथार व जिनल सुधार ने कक्षा 8 में जिला स्तरीय मेरिट में स्थान प्राप्त करने पर राज्य सरकार से प्राप्त टैबलेट से सम्मानित किया गया ।साथ ही विद्यालय परिवार द्वारा उनको .माला , उपरना , तिलक लगाकर सम्मान किया गया । सभी शिक्षकों का छात्र-छात्राओं द्वारा श्रीफल व पेन देकर सम्मान किया गया ।प्रधानाचार्य डॉ. महावीर प्रसाद जैन द्वारा विद्यालय स्तर पर अपने विद्यालय के शिक्षक धूलीराम डांगी (वरिष्ठ अध्यापक -गणित) तथा हीरालाल जाट (वरिष्ठ अध्यापक - संस्कृत)का श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में प्रमाण पत्र , शॉल , उपरना माल्यार्पण , तिलक लगाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य डॉ. आर्या मित्रा पाण्डेय द्वारा सफल संचालन किया गया। नरपत कुमार , बसन्ती नरुका , पूनम मेघवाल , विकास शर्मा 'नवीन कुमार आदि शिक्षकों ने भी अपने विचार रखे। छात्र छात्राओं द्वारा गीत-नृत्य, भाषण प्रस्तुत किये गये ।प्रधानाचार्य डॉक्टर जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए वही गुरु है ।गुरु का सम्मान विश्व में सबसे बड़ा है ।अतः गुरु की आराधना सभी छात्रों को करनी चाहिए ।हमें गुरु का सम्मान करना ही चाहिये। साथ ही कविता व कहानी के माध्यम से भी शिक्षक की महिमा बताई। श्री धूलीराम डॉगी ने गुरु वंदना गीत की प्रस्तुति दी । कार्यक्रम के संयोजक श्रीमती पुष्पा आमेटा थी।

शिक्षक दिवस पर लायंस क्लब कोटा सेंट्रल ने किया शिक्षकों का सम्मान

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। शिक्षक दिवस के उपलक्ष में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले राष्ट्र निमार्ताओं का लायन्स क्लब कोटा सेन्ट्रल द्वारा सम्मान किया गया। क्लब अध्यक्ष मधु ललित बाहेती एवं सेक्रेटरी राधा खुवाल ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, महात्मा गांधी सीनियर सेकेंडरी स्कूल व जे डी बी गर्ल्स कॉलेज के अध्यापकों को सम्मानित किया गया। केमिस्ट्री की प्रोफेसर डॉ सरस्वती अग्रवाल और स्कूल के प्रिंसिपल डॉ कौशल केदावत के साथ अन्य पन्द्रह अध्यापक कुल सतरह अध्यापकों का सर्टिफिकेट, मोमेंटो और माला से सम्मान किया गया। इस अवसर पर रीजन चेयरमैन दिनेश खुवाल, ललित बाहेती, अविनाश माहेश्वरी, चंदा बरवाडिया, ममता विजय, सुमन शर्मा उपस्थित रहे ।डॉ कौशल केदावत ने क्लब सदस्यों का आभार व्यक्त किया ।

दशलक्षण महापर्व कल 8 सितंबर से शुरू, श्रद्धालु करेंगे आराधना

दशलक्षण महामंडल विधान एवम श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन होगा जैन नसिया में

टोंक. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज के दशलक्षण महापर्व रविवार से प्रारंभ होगा जिसके अंतर्गत दस धर्म उत्तम क्षमा, मार्दव , आर्जव, शौच, सत्य संयम तप त्याग आकिंचन ब्रह्मचर्य धर्मों की पूजा की जाएगी । जैन धर्मावलंबी के पर्यूषण पर्व का विशेष महत्व रहता है आत्म शुद्धि करने के लिए श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हैं ।दशलक्षण महापर्व के तहत श्री दिगंबर जैन नसिया में बालाचार्य 108 निपूर्ण नंदी जी महाराज के ससंघ सानिध्य मे दशलक्षण महामंडल विधान

एवं श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है जो मध्यप्रदेश सागर के पंडितजी मनोज जी शास्त्री एवं सरल जैन संगीतकार के सानिध्य में आयोजित होगा। वर्षायोग समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया एवं मंत्री धर्मेंद्र जैन पासरोटियां ने बताया कि श्रावक संस्कार शिविर में प्रतिदिन ध्यान एवं प्राणायाम, सामुहिक पूजन, प्रवचन दशलक्षण विधान तत्व चर्चा, तत्वार्थ सूत्र वाचन होंगे।

जय जिनेन्द्र प्रतियोगिता का पोस्टर विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज रोड तीज के शुभ अवसर पर श्री महावीर युवा मंडल द्वारा पूजा के मध्य जय जिनेन्द्र प्रतियोगिता के पोस्टर विमोचन के अवसर पर अनिल जैन, सुनील बज, हरीश धाडुका, सुभाष बज अशोक गंगवाल के साथ सम्पूर्ण युवा मण्डल और सम्पूर्ण जैन महिला मंडल के कार्यकिरीणी के सदस्य उपस्थित थे। युवा मंडल के मंत्री रितेश जैन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रतिदिन युवा मंडल के सदस्यों द्वारा समाज के सदस्यों को फोन करके फोन उठाने और जय जिनेन्द्र बोलने पर चादीं का सिक्का दिया जायेगा। ये प्रतिदिन पांच विजेता को दिये जाएंगे। इस प्रतियोगिता के पुण्यार्जक परिवार सुधीर सीमा ऋषभ अदिती दिवान, राजेन्द्र आशा राहुल खुशबू, रोहित अंकिता, श्रीमती मोहना देवी दिलीप शालिनी गिरीश रेणु बाकलीवाल, हर्षचन्द तारामणि विवेक वन्दना विकास प्रियंका राहोली वाले, राजेन्द्र नीता, रोनिक, पूजा बज (बज बगिची वाले) होंगे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद

कुएँ में उतरने वाली बाल्टी यदि झुकती है,
तो वह भर कर बाहर निकलती है..!
जिन्दगी का भी यही गणित है, जो झुकता है, वही प्राप्त करता है। प्रभु के चरणों में अगर कुछ चढ़ाना ही है तो
अपने आप को चढ़ाओ।
अपने अहंकार को चढ़ाओ।
अपने ममकार को चढ़ाओ।
अपने क्रोध को चढ़ाओ।
अपनी माया को चढ़ाओ।
अपनी वासना को चढ़ाओ।
प्रभु के चरणों में, अहंकार से बड़ी भेंट और क्या हो सकती है-? आदमी बड़ा बेईमान है। सब कुछ सुनाने को राजी तो हो जाता है, लेकिन अहंकार को चढ़ाने में बड़ी मशक्कत दिखाता है। सब चढ़ाकर भी अहंकार को बचा ही लेता है। ध्यान रखना! अहंकार की कार में सवार होकर, आज तक कोई भी स्वर्ग में, प्रभु के राज्य में नहीं पहुँच पाया। वहाँ तो विनम्रता का विमान ही प्रवेश कर पाता है। अहंकार के नारियल को

एक बार प्रभु के चरणों में, गुरु सद्गुरु के चरणों में, पटक पटक कर फोड़ डालो। फिर देखो, जीवन में कैसा अतिशय, कैसा चमत्कार प्रगट होता है।

-नरेंद्र अजमेरा,
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

गोधो का चौक जैन मंदिर में भक्तामर स्तोत्र पाठ आज 7 सितंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। हल्दियों का रास्ता स्थित श्री 1008 पारसनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर वास गोधान में कार्यकारिणी समिति के तत्वावधान में दसलक्षण पर्व की पूर्व संध्या पर चतुर्थी शनिवार, 7 सितम्बर को रात्रि को 7.30 बजे से संगीतमय भक्तमार पाठ का वाचन वरिष्ठ गायक अशोक गंगवाल, सुभाष बज एंड पार्टी के द्वारा किया जायेगा। मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष विजय गोधा व सचिव सुधीर गोधा के अनुसार इस विशाल और अनुपम आयोजन के लिए मंदिर जी से जुड़े सभी सदस्य परिवारों को इस धार्मिक भक्तामर पाठ के प्रोग्राम में चौक व सिटी एरिया में निवास कर रहे सभी साधर्मी बंधुओ से और सिटी से बाहर रहने वाले सदस्यो से परिवार सहित आने का आव्हान किया जा रहा है। इस विशेष आयोजन हेतु श्रीमती अनुराधा गोधा और श्रीमती एकता गोधा को सयोजक मनोनित किया गया है।

रोठ तीज के पावन अवसर पर जनक पुरी के लिए पावन आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

बरकत नगर श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चन्द्रप्रभ स्वामी में महापुण्य वर्धक वषायोग 2024 सम्पन्न कर रहे महा तपस्वी बट रस व पूर्णहरी त्यागी मुनि श्री अर्चित सागर जी महाराज आज रोठ तीज के पावन पर्व पर श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर जनक पुरी पधारे। यहाँ अभिषेक पश्चात पूज्य श्री के मुखारविन्द से महाशान्ति धारा का वाचन हुआ इसके पश्चात मुनि श्री ने अपने मंगल उद्बोधन में उपस्थित समाज को संबोधित करते हुए कहा की मंत्र आराधना पूजन एवं स्वाध्याय वाचन में शुद्ध उच्चारण का महत्व बताते हुए कहा कि शुद्ध उच्चारण से आराधना का फल छह गुणा अधिक प्राप्त होता है। इसके पूर्व प्रबन्ध समिति की और से अध्यक्ष पदम बिलाला ने बरकत नगर वषायोग पुण्यार्जक चक्रेश कुमार जैन ' संयोजक सतीश जैन 'अकेला ' आदि का सम्मान किया । इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री अर्चित सागर जी महाराज के सानिध्य मे दशलक्षण महापर्व के पोस्टर का विमोचन भी सम्पन्न कराया गया ।

भारतीय जैन संगठना द्वारा शिक्षक दिवस पर पौधरोपण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। शिक्षक दिवस के अवसर पर भारतीय जैन संगठना द्वारा आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम भारतीय स्काउट एंड गाइड जगतपुरा के प्रांगण में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में पीसी जैन , बन्नालाल जी, यश बाफना, महेंद्र चौरडिया ,गणपत भंडारी एवं स्काउट गाइड के बच्चे एवं शिक्षक सम्मिलित हुए।भारतीय जैन संगठना राजस्थान के प्लांटेशन हेड राजेश सिंघवी ने बताया कि इस प्रांगण में छायादार फलों के वृक्ष एवं दवाई में काम आने वाले वृक्ष लगाए गए। स्काउट गाइड से मिस्टर भाविक सुतार सीओ जिन्होने इस सारे कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन किया बहुत-बहुत आभार।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, स्वस्तिक ने किया शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष श्री प्रदीप सिंह जी कासलीवाल की पुण्यतिथि (5 सितंबर)की स्मृति में शिक्षक सम्मान के अंतर्गत आज शिक्षक दिवस पर टोडरमल स्मारक सिद्धांत महाविद्यालय में विद्वान अध्यापक संयम शास्त्री और प्रतिभा शाली विद्यार्थी आर्जव, महिला अध्यापिका संगीता सोनी का शॉल ओढ़ाकर, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। स्वस्तिक ग्रुप के अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने बताया कि ये सम्मान रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या और सचिव निर्मल संघी ने प्रदान किया। स्वागत, अभिनंदन संबोधन राजेश बड़जात्या ने किया और धन्यवाद, आभार संबोधन निर्मल संघी ने किया। स्वस्तिक ग्रुप के मंत्री अजीत बड़जात्या ने बताया कि टोडरमल स्मारक के महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने शिक्षक दिवस की सार्थकता पर प्रकाश डाला और स्वास्तिक ग्रुप को सम्मान समारोह के लिए धन्यवाद दिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जिनशासन के महान आराधक पन्ना गुरूवर का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी : कंचनकंवरजी म.सा.

जीवन में भक्ति ऐसी हो जो आत्मकल्याण के पथ पर ले जाए-सुलोचनाजी म.सा., पर्युषण पर्व के छठे दिन तप त्याग के साथ मनाई गई पूज्य पन्नालालजी म.सा. की जयंति

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा.'मधुकर' के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.'भीम' की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. के सानिध्य में महावीर भवन बापूनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आठ दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के छठे दिन शुक्रवार को पूज्य प्रवर्तक पन्नालालजी म.सा. की जयंति तप त्याग व तीन-तीन सामायिक की साधना के साथ मनाई गई। छठे दिन प्रवचन का विषय भक्ति के दो रंग रहा। महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. ने पूज्य प्रवर्तक पन्नालालजी म.सा. को भावार्जलि अर्पित करते हुए कहा कि वह ऐसे महान संत थे जिन्होंने जिनशासन की भरपुर सेवा करने के साथ हम सभी पर अनंत उपकार किए। स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक पूज्य पन्नालालजी म.सा. की प्रेरणा से कई जगह लोगों ने जीव हिंसा का त्याग कर ओर सेवा के पथ पर आगे बढ़े। उन्होंने जिनशासन की सेवा में निरन्तर प्रभावना की। ऐसे महान संतों का जितना गुणानुवाद करे कम होगा। प्रखर वक्ता साध्वी डॉ.सुलोचनाश्री म.सा. ने कहा कि संयम का सम्बन्ध उम्र से नहीं विचारों व भावनाओं से होता है। ऐसे महान संतों की जयंति मनाना भी सौभाग्य का पल होता है ।ऐसे महान संतो के जीवन से सीख लेकर हम लोगों को जिनशासन से जोड़ने का कार्य कर सकते है। उन्होंने सदा असहाय व पीड़ित की सेवा की प्रेरणा प्रदान की ओर मूक पशुओं को अभयदान दिलाया। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में भक्ति ऐसी होनी चाहिए जो हमारा आत्मकल्याण कर सके। हमे दिखावे की भक्ति की बजाय मन के भावों से भक्ति करनी है। जो भक्ति मन से होती है वहीं सार्थक होती है। मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. ने कहा कि महान संतों का गुणानुवाद करना भी प्रेरणा देता है। ऐसे महान संतो के जीवन से कुछ गुण भी हम आत्मसात कर सके तो हमारा जयंति मनाना सार्थक हो जाएगा। प्रवचन के शुरू में सुबह 8.30 बजे से अंतगड़ दशांग सूत्र के मूल पाठ का वाचन साध्वी डॉ. सुलोचनाजी म.सा. के मुखारबिंद से हुआ। श्रीसंघ के मंत्री अनिल विश्नोत ने बताया कि धर्मसभा में मनोज बाफना, कमलेश मुणोत, दलपत सेठ, प्रेमचंद गुगलिया, विमलचंद पुनामिया, चंचलमल कर्णावट लीला बाफना, स्नेहलता चौधरी, राजू सेठिया, आशा चौधरी, नीता मेहता, कुसुम सेठ, पूनम संचेंती ने भी गुरू गुणानुवाद करते हुए भावार्जलि अर्पित की। इस अवसर पर 11 लक्की ड्रॉ भी निकाले गए जिसके लाभार्थी मनोजजी लीलाजी बाफना परिवार रहे। कई श्रावक-श्राविकाओं ने तेला, बेला, उपवास, आयम्बिल, एकासन आदि तपस्याओं के भी प्रत्याख्यान लिए। साध्वी मण्डल ने सभी तपस्वियों के प्रति मंगलभावना व्यक्त की।

जैन धर्मावलंबियों ने श्रद्धा पूर्वक मनाया रोट तीज का त्यौहार

रविवार से होगा दशलक्षण महापर्व का आगाज। दशलक्षण महापर्व के दौरान दीवान जी की नसियां में ब्रह्माचारिणी सविता दीदी एवं ज्योति दीदी के सानिध्य में होंगे विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन धर्मावलंबियों द्वारा शुक्रवार को रोट तीज का त्योहार श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस दिन पर विशेष गेहूं के मोटे आटे से बने रोट और तुरई की सब्जी सभी घरों में बनाई जाती हैं। कई स्थानों पर रोट व तुरई की सब्जी के साथ हलवा , खीर , रायता तथा हरी मिर्च का हुंदा भी इस विशेष दिन तैयार किया जाता हैं। जैन धर्म में पर्वों के राजा ''दशलक्षण महापर्व'' का भव्य आगाज 8 सितंबर रविवार भाद्रपद शुक्ला पञ्चमी से होने जा रहा हैं। दस दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रह्मचर्य को धारण करते हुए विशेष पूजा अर्चना की जाती हैं। इसे पर्वाधिराज पर्यूषण महापर्व के नाम से भी जानते हैं । इस वर्ष दशलक्षण पर्व दिगम्बर जैन परंपरा में 8 सितंबर से 17 सितम्बर 2024 तक मनाया जाएगा। भाद्रपद मास में आने वाले दशलक्षण पर्व के दौरान सभी जैन धर्मावलंबी अधिकतम समय पूजा-अर्चना और व्रत-उपवास करके व्यतीत करते हैं। दशलक्षण पर्व का मुख्य उद्देश्य मनुष्य द्वारा वर्ष भर में की गई भूल एवं गलती का पश्चयाताप करना और आत्मकल्याण की राह बताना है। इस महापर्व पर श्रद्धालुओं द्वारा प्रातः मंदिर जी में श्रीजी का अभिषेक, नित्य नियम पूजन एवं दशलक्षण धर्म की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है ।पर्वाधिराज दशलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर जैन समाज के घरों में नियम पूर्वक उपवास एवं मंदिरों में पूजन के लिए विशेष व्यवस्था की जाती है तथा मंदिरों को भव्यतापूर्वक सजाते हैं। इस अत्यंत पवित्र भाद्रपद माह में जैन धर्मावलंबी सोलहकारण, दसलक्षण, रत्नत्रय के उपवास रखते है।

समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि शहर के जाट बाजार स्थित दीवान जी की नसियां में दशलक्षण महापर्व के दौरान 10 दिवस तक भोपाल से पधारी ब्रह्माचारिणी सविता दीदी एवं ज्योति दीदी के सानिध्य में धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । बावड़ी गेट स्थित बड़ा मंदिर व बजाज रोड़ स्थित दंग की नसियां मंदिर में दस दिवस तक प्रतिदिन विशेष कलशाभिषेक व पूजन किए जायेंगे। बजाज रोड़ स्थित नया मंदिर जी में दसलक्षण महापर्व के दौरान प्रतिदिन पंडित जयंत शास्त्री द्वारा समस्त धार्मिक आयोजन संपन्न करवाए जायेंगे। विवेक पाटोदी ने बताया कि दसलक्षण महापर्व के दौरान दस धर्मों की विशेष पूजा के अतिरिक्त विभिन्न मुख्य आयोजन भी संपन्न होंगे।

शब्दकार ने किया शिक्षकों का सम्मान

कोलकाता. शाबाश इंडिया। कोलकाता महानगर की सामाजिक और साहित्यिक संस्था 'शब्दकार ' के तत्वावधान में शिक्षक दिवस के अवसर पर बारह शिक्षकों का सम्मान किया गया। सम्मानित शिक्षकों में डॉ मनोज कुमार मिश्र नेकहा कि शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। बच्चा लाल मिश्र ने कहा कि शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है ।रणजीत भारती ने कहा कि विधाथी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरू होता हैजो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है प्रो जीवन सिंह ने कहा कि शिष्य के जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। राम अवतार सिंह ने कहा कि शिक्षक विधारथियों के जीवन के वास्तविक निमार्ता होते हैं। कालिका प्रसाद उपाध्याय 'अशेष 'ने कहा कि शिक्षक हमें सही रास्ता दिखाते हैं। ओमप्रकाश चौबे ने कहा कि शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। इसके अलावा अन्य शिक्षक गौरी शंकर दास, बंदना पाठक, अनुज कुमार, धर्म देव सिंह भी अपने उदगार व्यक्त किये ।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार चन्द्रिका प्रसाद पांडेय 'अनुरागी ',मुख्य अतिथि समाजसेवी सुरेश गुप्ता मंच पर परिलक्षित थे। संचालन शब्दकार संस्थापक प्रदीप कुमार धानुक ने किया। समारोह को सफल बनाने में नंदू बिहारी, अखंड प्रताप मिश्र संदीप पांडेय, सुन्दर लाल, अयाज खान अयाज सक्रिय रहे।

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने मनाया रोट तीज पर्व

चौबीस तीर्थंकरों की पूजा की दशलक्षण महापर्व रविवार से, कल मनाएंगे धर्म का उत्तम क्षमा लक्षण-दिगम्बर जैन मंदिरों में रहेगी धूम

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने शुक्रवार, 6 सितम्बर को रोट तीज पर्व भक्ति भाव से मनाया। दिगम्बर जैन श्रद्धालुओं ने मंदिरों में चौबीस तीर्थंकरों की 72 कोठे का मण्डल मांडकर तीन चौबीसी का पूजा विधान किया। जैन बन्धुओं ने घरों में रोट- खीर बनाये गये। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार मंदिरों में भक्ति भाव से चौबीस तीर्थंकरों की पूजा के बाद तीनों काल के 108 जाप्य "ॐ ह्री भूत वर्तमान भविष्यत काल सम्बन्धी चतुर्विंशति तीर्थंकरेभ्यों नमः" किये गये। महिलाओं ने व्रत उपवास किये। यह व्रत तीन साल तक किया जाता है। शुद्धता के साथ रोट बनाये जाकर सर्वप्रथम रोट, घी, बूरा, तुरई का रायता मंदिरों में पाट पर चढाया गया। श्री जैन के मुताबिक रोट तीज के व्रत से अक्षय निधि की प्राप्ति होती है। भट्टारक परम्परा से रोट तीज की शुरूआत हुई। इसे त्रैलोक्य (त्रिलोक) तीज भी कहते हैं। श्री जैन के मुताबिक रविवार 8सितम्बर से

दशलक्षण महापर्व प्रारम्भ होगें जो मंगलवार 17 सितम्बर तक चलेंगे। इन दस दिनों के दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें । श्री जैन के मुताबिक रविवार, 8 सितम्बर को धर्म का उत्तम क्षमा लक्षण मनाया जाएगा। मंदिरों में प्रातः क्षमा धर्म पर पूजा होगी। सायकांल प्रवचन में क्षमा धर्म को समझाया जायेगा। तत्पश्चात सांस्कृतिक आयोजन किये जाएंगे। जैन धर्म में उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव,उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रम्हचर्य सहित धर्म के 10 लक्षण होते हैं। इन दस दिनों में प्रातः से जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा, मुनिराजो की विशेष प्रवचन श्रृंखला, श्रावक संस्कार साधना शिविर, महाआरती, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। धर्मावलंबी तीन दिन, पांच दिन, आठ दिन, दस दिन, सोलह दिन, बत्तीस दिन सहित अपनी क्षमता एवं श्रद्धानुसार अलग-अलग अवधि के उपवास करते हैं। जिसमें निराहार रहकर केवल मात्र एक समय पानी लेते हैं। जैन के मुताबिक 8 से 12 सितम्बर तक पुष्पांजलि व्रत(फलफांदन), 17 सितम्बर तक दशलक्षण व्रत किये जायेंगे। जैन के मुताबिक सोमवार, 9 सितम्बर को दशलक्षण महापर्व के अन्तर्गत धर्म का उत्तम मार्दव लक्षण मनाया जायेगा। शुक्रवार, 13 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जावेगी ।इस दिन मंदिरों में चन्दन की धूप अग्नि पर खेई जायेगी। सायकांल ज्ञान वर्धक तथा संदेशात्मक झांकियां सजाई जाएगी। मंगलवार 17 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन कलश होगें ।बुधवार 18 सितम्बर को षोडशकारण समापन कलश एवं पड़वा ढोक क्षमा वाणी पर्व मनाया जाएगा।इस मौके पर वर्ष भर की त्रुटियों एवं गलतियों के लिए आपस में क्षमा मांगेंगे, खोपरा मिश्री खिलायेगें।

दशलक्षण को पर्व ना समझें, ये आपके जीवन को बदलने वाले सूत्र है: पुष्पादीदी

पंचायत कमेटी की बैठक में दशलक्षण महापर्व की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

कल से दशलक्षण महा पर्व प्रारंभ होने जा रहे हैं ये दस धर्म नहीं है ये जीवन को बदलने के वे सूत्र है यदि आप ने इनको अपने जीवन में उतार लिया तो आपके जीवन में अमूल्य चूल परिवर्तन देखने को मिलेगा आप हर समस्या का समाधान जिनवाणी से प्राप्त कर सकते हैं इसके लिए देशना लब्धी की महिमा को समझना होगा देशना लब्धी से आपके जीवन की हर समस्या का समाधान मिल जाता हैं हमारे जीवन की कीमत बहुत है हमें इसका अनुमान नहीं है जीवन की दुर्लभता का भी हमें वोध नहीं है जीवन यूं ही बीता जा रहा है हमारा जीवन बहुत ही दुर्लभ है इसे हमने जान लिया है तो समझें कि एक दिन में हम भव से पार हो जायेंगे उक्त आश्य केउद्गार ब्राह्मणी विद्या आश्राम सागर से पधारी वाल ब्रह्मचारी पुष्पा दीदी ने सुभाष गंज में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

250 सदस्यों का दल जायेगा सागर संस्कार शिविर में : विजय धुर्रा

इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि आठ सितंबर से पर्वराज पायूषण महापर्व प्रारंभ हो रहें हैं हर घर हर दिल में महापर्व को मनाने की तैयारियां चल रही है देश का सबसे बड़ा आयोजन इन दिनों सागर में परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के सान्निध्य में 31वे श्रावक संस्कार शिविर के रूप में होने जा रहा है इसमें अशोक नगर जिले से 250 सदस्यों का दल कल रवाना होगा। समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद के आग्रह पर आदरणीय वाल ब्रह्मचारी पुष्पा दीदी इस महापर्व नित प्रति ज्ञान की गंगा बहायेगी हम तैयारियां करके आये और इस ज्ञान गंगा में अवगाहन करें इस दौरान आचार्य भगवंत के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई सभा संयोजक निर्मल मिर्ची राजेश कासल नीरज पढ़ा ने किया ।

जैन पंचायत की बैठक में सभी कार्यक्रमों को दिया अंतिम रूप: इसके पहले श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी की बैठक अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद के आतिथ्य में हुआ जिसमें दशलक्षण महा पर्व पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया इसके साथ ही जैन जाग्रति मंडल जैन युवा वर्ग भक्तांबर मंडल जैन मिलन पार्श्व जैन मिलन सहित विभिन्न संगठनों को जिम्मेदारीया पंचायत कमेटी द्वारा सौंपी गई इस दौरान जैन समाज के महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हम सब के सौभाग्य को जगाने पर्व राज पायूषण पर्व आ रहें हैं धार्मिक कार्योंक्रमो के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है आप सभी संगठनों को इसकी जानकारी लेना है।इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल ने कहा कि दस लक्षण पर्व पर दसों दिनों के लिए दस दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम विभिन्न मंडलों दारा किये जायेगे सभी महिला मंडल एवं युवा संगठन जिस को भी जिस विषय में विशेषज्ञता हासिल हो वह आगे आए पंचायत कमेटी उनका पूरा सहयोग करेगी खास तौर में में युवा संगठन ने कहना चाहता हूं कि वे अभिनव प्रस्तुतियां दे सभा का संचालन जैन समाज के अध्यक्ष शैलेंद्र श्रागर ने किया।

पर्वों को मनाते समय धर्म की हानि नहीं होनी चाहिए: मुनि प्रणम्य सागर महाराज

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन, पार्श्वनाथ कथा में उमड़े श्रद्धालु

फोटो: साकेत, कुमकुम फोटो मोबाइल 9829054966

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से शुक्रवार को मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें अनशन तप को बताते हुए कहा कि एक दिन कम से कम चार तरह के आहार का त्याग अनशन है। हमें कम से कम एक दिन और मूलाचार में अधिक से अधिक 6 महिने का तप बताया है। मुनि श्री ने रोटतीज व्रत की कथा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस व्रत में चौबीस भगवान की पूजा, सामायिक एवं 6 रसो का एक साथ एक जगह एक अन्न का प्रयोग करते हुए एक बार में भोजन करना बताया है। हमेशा यह ध्यान रखना चाहिए कि पर्वों को मनाते समय धर्म की हानि नही हो। मुनि श्री ने आगे बताया कि हमें व्रतों को आनन्द के साथ मनाना चाहिए एवं जो कोई भी इन्हें पाल रहा है उसका सहयोग करना चाहिए। मंदिर में धर्मात्मा और घर में दुष्टात्मा बनते हैं तो यह धर्म के साथ छल है। हमें तीर्थंकरों के बताये मोक्ष मार्ग को भी अनुशासन के साथ पालना चाहिए। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। समाजश्रेष्ठी इन्द्र, महेश, अशोक, राजेन्द्र, बाकलीवाल अशोका इलेक्ट्रिकल्स एवं मेरठ निवासी अंकित - प्रियंका अन्तर्गुंज चैनल परिवारजनों द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन प्राप्त किया इस मौके पर तीर्थोदय गोलाकोट एवं श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अध्यक्ष रिटायर्ड आई पी एस एस के जैन ने भी मुनिश्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य अरुण पाटोदी, विजय झांझरी ने अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया। समिति के कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन राजभवन वाले एवं कार्यकारिणी सदस्य अरुण पाटोदी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शनिवार , 07 सितम्बर को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्तिआरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

दशलक्षण महापर्व रविवार से-लगेगा आत्म साधना शिविर

चातुर्मास समिति से जुड़े हुए विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मुनि श्री के सानिध्य में मानसरोवर के सामुदायिक केन्द्र सेक्टर 9 पर 8 सितम्बर से 17 सितम्बर तक दशलक्षण महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। उस दौरान 10 दिवसीय आत्म साधना शिविर लगेगा जिसमें पूरे देश से 1500 से अधिक श्रावक - श्राविकाऐ शामिल होगी।

।। श्री पार्श्वनाथाय नमः।।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

मानसरोवर कॉलोनी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन नवयुवक मण्डल, झोटवाड़ा

के तत्वावधान में आयोजित

दसलक्षण पर्व महोत्सव 2024

रविवार 8 सितम्बर 2024 से मंगलवार 17 सितम्बर 2024 तक

दैनिक कार्यक्रम

प्रातः 5:15 बजे - नित्याभिषेक एवं शान्तिधारा | प्रातः 6:15 बजे - दशलक्षणजी विधान | सायं 6:15 बजे - सामूहिक आरती

प्रतिदिन सायं 6:30 बजे धार्मिक प्रवचन : **पं. आदर्श जी जैन शास्त्री**, टीकमगढ़ वाले

रविवार, 8 सितम्बर, 2024 को प्रातः 7:15 बजे झण्डारोहण एवं दीपप्रज्जवलनकर्ता : श्री विमलकुमार जी-सन्तोष जी, पवन जी-संगीता जी अक्षत जी-रूची जी, सुश्री कनिका, सुश्री अविका, लवली-ऋषभ जी, कुश जी एवं समस्त बाकलीवाल परिवार (सावरदा वालें)

रविवार, 8 सितम्बर, 2024 को सायं 7:30 बजे पाण्डाल उद्घाटनकर्ता : गुलाबचन्द जी-तारादेवी जी, अशोक जी-अलका जी संजय जी-अंशु जी, रिषभ जी, सुश्री सृष्टि बज, डॉ. शिवांगी-डॉ. रवि जी गंगवाल एवं समस्त बज परिवार (सलहदीपुरा वाले)

सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम

दिनांक	वार	तिथि	समय	कार्यक्रम	दीपप्रज्जवलनकर्ता	पुरस्कार वितरणकर्ता	लक्की ड्रा पुरस्कार वितरणकर्ता
8.9.2024	रविवार	पंचमी	रात्रि 8:00 बजे	णमोकार महामंत्र जाप्य एवं भक्ति संध्या (आदि जैन व नेहा काला एण्ड पार्टी द्वारा)	श्री विमलकुमार जी-सन्तोष जी, पवन जी-संगीता जी अक्षत जी-रूची जी, सुश्री कनिका, सुश्री अविका, लवली-ऋषभ जी कुश जी एवं समस्त बाकलीवाल परिवार (सावरदा वालें)		श्री संजीव जी, इला जी, श्रेया जी जैन साक्षी जी-गौरव जी जैन (पुत्री दामाद)
9.9.2024	सोमवार	छठ	रात्रि 8:00 बजे	संगीतमय श्री भक्तामर अनुष्ठान (श्री विद्यासागर यात्रा संघ द्वारा)	मण्डल जी पर प्रथम दीप प्रज्जवलनकर्ता एवं चित्र अनावरणकर्ता परिवार } श्री घीसालाल जी, विनोद कुमार जी, जिनेन्द्र कुमार जी राकेश कुमार जी, मुकेश कुमार जी पाटनी (भैंसलाना वाले)		श्रीमती सुशीला देवी जी, नरेश जी- रीमा जी नमन जी- खुशबू जी, अमन जी, दियान जी व समस्त बड़जात्या परिवार, जोबनेर जयपुर।
10.9.2024	मंगलवार	सप्तमी	रात्रि 8:00 बजे	धार्मिक नृत्य प्रतियोगिता (बालिका मण्डल द्वारा)	श्री कैलाश जी पाटनी (गोवाहटी वाले)	श्रीमती मंजूलता जी, अंकित जी, सोनिया जी, दीपेश जी धीर जी एवं समस्त गंगवाल परिवार (सांभर वाले)	श्रीमती डिम्पल जी गोधा दीपन जी एवं यश जी गोधा
11.9.2024	बुधवार	अष्टमी	रात्रि 8:00 बजे	अनोखी प्रतियोगिता (राहुल जैन द्वारा)	श्री धर्मचन्द जी, अभिनव जी सौगाणी (नावां वाले)	श्री कमल जी-बबीता जी शुभम जी गंगवाल (मीण्डा वाले)	स्व. श्री चैनसुख जैन- स्व. श्रीमती ललिता देवी श्रीमती कंचनदेवी जी, विनोद जी-मीना जी, अन्नू जी-अंशुल जी विकास जी-शैफाली जी, वैभव जी, वरूण जी, दिव्यांश जी एवं वितांशी जी बड़जात्या परिवार (फुलेरा / किशनगढ़ वाले)
12.9.2024	गुरुवार	नवमी	रात्रि 8:00 बजे	धार्मिक हाऊजी मस्ती भरी (राकेश गोधा द्वारा)	श्री पवन कुमार जी, मनीष जी अंकित जी सौगाणी परिवार (चितावा वाले)	श्री टीकम चन्द जी, अमित कुमार जी मोहित जी सोगाणी (सिनोदिया वाले)	श्री मुकेश जी-संतोष जी, निखिल जी-याशिका जी ठोलिया महिमा जी-कपिल जी, कुशांक (जोबनेर वाले)
13.9.2024	शुक्रवार	दशमी	सायं 6:00 बजे	सजीव झांकी	झाँकी उद्घाटनकर्ता : श्री शान्तिकुमार जी-ममता जी सौगानी (जापान वाले)		
14.9.2024	शनिवार	एकादशी	रात्रि 8:00 बजे	धार्मिक गेम्स (बालिका मण्डल द्वारा)	श्रीमती बीना जी, राजकुमार जी, राकेश जी रमेश जी रांवका (सिनोदिया वाले)	श्रीमती सुमित्रादेवी जी, अशोक जी, विजय जी पंकज जी, मोनेष जी गंगवाल (मीण्डा वाले)	श्री सौभागमल जी, शांतिलाल जी जितेन्द्र जी लुहाड़िया
15.9.2024	रविवार	द्वादशी	रात्रि 8:00 बजे	चक्र घुमाओं प्रतियोगिता (महिला मण्डल द्वारा)	श्री पवन कुमार जी, सुरेश जी-नेहा जी, वृतिका जी राशि जी, अशेष जी पाटनी (लूणवा वाले)	श्री संतोष कुमार जी, विकास जी राजेश जी छाबड़ा (सुजानगढ़ वाले)	श्रीमती तारादेवी, राकेश जी संयम जी पाटनी (जोबनेर वाले)
16.9.2024	सोमवार	त्रयोदशी	रात्रि 8:00 बजे	हांस्य नाट्य मंचन (बालिका मण्डल द्वारा)	श्री जानकी लाल जी, निर्मल कुमार जी, सुरेश कुमार जी राजकुमार जी, पुलकित जी, सौम्य जी सेठी परिवार (बोबास वाले)	श्री सतीश जी, सुरेश जी, सुगन जी, विपुल जी प्रणव जी, वंश जी पापड़ीवाल (माधोराजपुरा वाले)	श्री सुनील जी-मंजू जी, गौरव जी सौरभ जी पाटोदी (नावां वाले)
17.9.2024	मंगलवार	चतुर्दशी/ पूर्णिमा	सायं 5:15 बजे	कलशाभिषेक			
18.9.2024	बुधवार	पड़वा	सायं 5:30 बजे	पड़वा के कलश एवं सामूहिक क्षमावाणी			

प्रत्येक दिन कार्यक्रम के मध्य में पुरस्कार एवं अन्त में पाँच लक्की ड्रॉ निकाले जायेंगे।

लक्की ड्रॉ के पुरस्कार उपस्थित सदस्य को ही दिये जायेंगे तथा एक परिवार में एक ही पुरस्कार दिया जायेगा

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में सपरिवार पधारकर कार्यक्रम को सफल बनावें एवं धर्म लाभ अर्जित करें।

विशेष :- प्रतिभावान छात्र/छात्राओं का सम्मान। (दिनांक 22 सितम्बर, 2024)

गोठ की टिकिट दर 100 रूपये प्रति व्यक्ति

रविवार, दिनांक 22 सितम्बर, 2024 को सामूहिक गोठ एवं क्षमावाणी

समय - सायं 4:30 बजे से

स्थान : हनुमान वाटिका, बौरिंग चौराहा, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा

विनीत : **श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति**

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल ★ श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बालिका मण्डल

सकल दिगम्बर जैन समाज, झोटवाड़ा, जयपुर

महावीर नगर जैन मन्दिर का 40वॉ स्थापना दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। टोंक रोड महावीर नगर स्थित श्री दि.जैन मंदिर का 40 वॉ स्थापना दिवस (रोट तीज) पर मनाया गया। मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष अनिल जैन एवं मंत्री सुनील बज ने बताया की प्रतिवर्ष की भांती इस बार भी विशेष आयोजन किया जा रहा हें मन्दिर जी एवं जैन भवन पर विशेष रोशनी की गई है। सुबह प्रात श्रीजी का प्रथम अभिषेक शांतिधारा करने का सौभाग्य

माणक चंद केवल चंद गोदिका परिवार के द्वारा किया गया बाद जैन भवन में अशोक गंगवाल सुभाष बज एंड पार्टी की और से सामुहिक पूजन हुई। मन्दिर जी के संयुक्त मंत्री और स्थापना दिवस के मुख्य सयोजक पवन जैन (तिजारावाले) के साथ कमिटी मेम्बर दिनेश छाबड़ा चक्रेश जैन नितिन जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामावतार ,भारत भूषण एवं कीर्ति गोपाल जैन थे दीप प्रज्वलन अनिल - उषा कासलीवाल ने किया। शाम को श्री जी के समक्ष 108 दीपकों से महाआरती हुई आरती के बाद रात्रि 8 बजे से कोटा के संगीतकार सुनील जैन एंड पार्टी अपने भजनों की प्रस्तुती दी। स्थापना दिवस पर श्रीफल वितरण के. के. अग्रवाल परिवार और पुरस्कार वितरण मुक्ता जी जैन तिजारावाले परिवार की और से किया गया।

गीतांजली यूनिवर्सिटी कोन्वोकेशन-2024 का आयोजन

844 स्टूडेंट्स ने पाई डिग्रियां, बेस्ट ग्रेजुएट्स को मिले गोल्ड मेडल

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत थे मुख्य अतिथि

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गीतांजली यूनिवर्सिटी द्वारा कोन्वोकेशन-2024 का आयोजन गीतांजली यूनिवर्सिटी के स्व. नर्मदा देवी अग्रवाल ऑडिटोरियम में शुक्रवार को हुआ। मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री, संस्कृति और पर्यटन (लोकसभा)भारत सरकार, गजेन्द्रसिंह शेखावत और गीतांजली ग्रुप चेयरमैन व गीतांजली यूनिवर्सिटी के चांसलर जे.पी अग्रवाल, वाइस चेयरमैन कपिल अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, गीतांजली यूनिवर्सिटी वाइस चांसलर डॉ. एस.के लुहाड़िया, रजिस्ट्रार मयूर रावल, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट व एकेडमिक काउन्सिल के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित किया। वहीं, अंकित अग्रवाल ने कोन्वोकेशन के लिए एकत्रित हुए सभी विधार्थियों सहित उनके माता-पिता का स्वागत किया। बाद में मुख्य अतिथि शेखावत और चांसलर अग्रवाल ने गीतांजली यूनिवर्सिटी के एम.बी.बी.एस, फामेर्सी, नर्सिंग, डेंटल, फिजियोथेरेपी के 43 गोल्ड मेडल्स एवं 844 ग्रेजुएट्स, पोस्ट ग्रेजुएट व पी.एच.डी विद्यर्थियों को डिग्रियां और 5 बेस्ट ग्रेजुएट्स को गोल्ड मेडल्स प्रदान किए। इनके अलावा, पूर्व वाइस चांसलर डॉ. एफ.एस. मेहता, सीनियर न्यूरोलोजिस्ट डॉ.ए.ए. सैफी को भी चिकित्सा क्षेत्र में उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। चांसलर जे.पी अग्रवाल ने गीतांजली यूनिवर्सिटी व हॉस्पिटल की उपलब्धियों को भी साझा किया और साथ ही आने वाले समय में गीतांजली यूनिवर्सिटी को इंटरनेशनल स्टैण्डर्ड पर ले जाने की बात की। इसके पश्चात चांसलर ने उपस्थित विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। संचालन डॉ. उदीची कटारिया ने किया। रजिस्ट्रार मयूर रावल ने आभार व्यक्त किया।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सार्थक द्वारा शिक्षक एवं मेधावी छात्र सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। शिक्षक दिवस एवं सोशल ग्रुप फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप कासलीवाल की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर आज दिनांक 5 सितंबर 2024 गुरुवार के दिन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सार्थक भिंड के द्वारा शहर जैन डिग्री कॉलेज एवं जैन धर्म माध्यमिक विद्यालय भिंड में शिक्षक एवं मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में चंबल रीजन के सचिव सुनील जैन एवं जैन कॉलेज के समाजसेवी सदस्य सेलू जैन, कमलेश जैन

तातरी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम स्वर्गीय प्रदीप कासलीवाल का परिचय दिया उपरांत सुनील जैन के द्वारा ग्रुप के उद्देश्य कार्य एवं क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला विद्यालय मैं उपस्थित शिक्षक गणों का सम्मान ग्रुप द्वारा पट्टिका का पहन कर किया गया, विद्यालय की मेधावी छात्रा 98% अंक प्राप्त कुमारी शिवांगी ओझा को ग्रुप के द्वारा डायरी पेन शाल मेडल के द्वारा सम्मानित किया गया। शिक्षक दिवस पर शिक्षा सम्मान परंपरा का निर्वाह करते हुए ग्रुप के द्वारा वरिष्ठ समाज सेविका शिक्षा के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान देने वाली डिग्री कॉलेज की प्राचार्य अनीता जैन एवं विद्यालय के प्राचार्य राकेश कुमार जैन को ग्रुप द्वारा तिलक लगाकर साल पट्टिका एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया, इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के अलावा जैन समाज विद्यालय के सदस्य दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सार्थक की अध्यक्ष स्नेहलता जैन, मंत्री मोती रानी जैन, कोषाध्यक्ष मंजू जैन सहित साधना जैन रूबी जैन रिंकी जैन मंजू जैन प्रीति जैन मधु जैन रेनू जैन अनु जैन रानू जैन जैन आदि लोग उपस्थित रहे।

पूज्य महापुरुषों के गुणों में अनुराग रखना ही भक्ति कहलाती है : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने शुक्रवार दिनांक 06.09.2024 को षोडश कारण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि, पूज्य महापुरुषों के गुणों में अनुराग रखना ही भक्ति कहलाती है। ये भक्ति गुणों की प्राप्ति के लिए ही की जाती है अन्य किसी कारण से नहीं अर्हंत भगवान में जो गुण है उन गुणों में अनुराग रखना, उनका चिन्तवन करना और उनको, प्राप्त करने का प्रयत्न करना ही अर्हद् भक्ति है मुनि श्री ने भक्ति के दृष्टांतो को बताया कि प्रभु भक्ति में लीन कवि धनंजय कुमार ने विषापास्तोत्र से स्वयं के पुत्र के सर्पदंश के जहर से बेहोस होने पर जहर को हटाया और पुत्र उठकर बैठ गया। आचार्य मानतुंग जी ने भगवान आदिनाथ की भक्ति में भक्तामर स्तोत्र की रचना की। मेंढ़क भक्ति के भाव से भगवान महावीर के समवशरण में जारहा था तो राजा श्रेणिक के हाथी के पैर के नीचे कुचलकर मरण होने पर समवशरण में देव बनकर राजा श्रेणिक से पहले पहुंच गयो यह सब भक्ति का परिणाम है प्रभु आप पावन है और मैं अपावन हूं, आपके चरण शरण में आया हूं, भक्ति विशुद्ध भाव, धैर्य से मन को स्थिर कर की जाती है तो वह फलदायक होती है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि दशलक्षण महापर्व में प्रतिदिन अभिषेक, शांतिधारा दशलक्षण मंडल विधान की पूजन, मुनिश्री के प्रवचन सांयकाल आरती प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। संयोजक कमल छाबड़ा डॉ वन्दना जैन ने बताया कि मुनिश्री के प्रवचन से पूर्व दीप प्रज्वलन रमेश चन्द अजमेरा, आनंद - वर्षा अजमेरा एवं सहयोगियों ने, मंगलाचरण श्रीमती सुशीला सेठी ने एवं शास्त्र भेंट श्रीमती देवकी रानी पाटनी, श्रीमती रजनी जी पापड़ीवाल ने किया। षोडश कारण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे मुनिश्री के प्रवचन सांयकाल 7 बजे आरती आनंद यात्रा तथा रात्रि 8:00 बजे से पंडित अजित जैन 'आचार्य' के द्वारा तत्व चर्चा की जा रही है।

गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा शिक्षक दिवस पर किया शिक्षक सम्मान समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर जयपुर द्वारा फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय श्री प्रदीप सिंह जी कासलीवाल की पुण्य स्मृति में एवं शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान , सांगानेर के पंडित श्री संजय जैन शास्त्री जी का श्रेष्ठ समाज सेवी शिक्षक के रूप में जैन भवन महावीर नगर में तिलक लगाकर, माला पहनाकर, दुपट्टा व शाल ओढ़ाकर, प्रशस्ति पत्र, गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्षा श्रीमती सुशीला बड़जात्या ने पंडित संजय शास्त्री के सम्मान में विचार व्यक्त किये।कार्यक्रम में रीजन व गुलाबीनगर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष अनिल शशि जैन, परम्सरंक्षक सुरेन्द्र मदुर्ला पांड्या, ग्रुप अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील बज, सचिव महावीर पांड्या, सहसचिव राजेन्द्र छारेड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत मे श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर नगर प्रबंध समिति द्वारा ग्रुप अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या का महिला सशक्तिकरण के रूप में सम्मान तथा सचिव महावीर पांड्या का भी सम्मान किया गया।

ब्यावर जैन समाज ने मनाया रोट तीज पर्व

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे शुक्रवार को रोट तीज पर्व मनाया गया। जैन समाज के प्रत्येक घरों में रोट की पूजा की गई। रोट पर चांदी के सिक्के से रोली एंव गुड रखकर णमोकार मंत्र के साथ खाण्ड करके पर्व मनाया गया। जैन धर्म के अनुसार रोट तीज पर्व का जैन धर्म मे बड़ा महत्व है। इस दिन महिलाएं व्रत रखती है। जैन मंदिरों में 24 तीर्थंकरों की पूजा की जाती है। जैन धर्म में दशलक्षण या पर्युषण पर्व का बहुत महत्व है। ये पर्व रविवार से शुरू होने जा रहा है। ये पर्व दिगंबर जैन समाज में दस दिनों तक चलता है। पर्व के प्रथम दिन उत्तम क्षमा, दूसरे दिन उत्तम मार्दव, तीसरे दिन उत्तम आर्जव, चौथे दिन उत्तम सत्य, पांचवें दिन उत्तम शौच, छठवें दिन उत्तम संयम, सातवें दिन उत्तम तप, आठवें दिन उत्तम त्याग, नौवें दिन उत्तम आकिंचन तथा दसवें दिन ब्रह्मचर्य तथा अंतिम दिन क्षमावाणी के रूप में मनाया जाता हैं। श्री दिगम्बर जैन समाज के दसलक्षण पर्व प्रारम्भ होने जा रहे है।

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने तीर्थंकरों को अर्पित किया पहला रोट

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने रोट तीज का पर्व मनाया। इस मौके पर मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना हुई। घरों में रोट और खीर बनाकर अन्य धर्मों के लोगों और मित्रों को खिलाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा ग्रामीण महामंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि जैन धर्म की महिलाओं ने व्रत रखा। आठ सितम्बर से दशलक्षण महापर्व की शुरूआत होगी। दस दिन मंदिरों में दस लक्षणों की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। जैन धर्मावलंबी श्रद्धानुसार तीन दिन एवं अधिक दिनों का उपवास रखेंगे। वहीं षोडशकारण और मेघमाला व्रत 18 सितंबर तक चलेंगे पारस जैन बिची ने बताया कि पौराणिक कथाओं और परम्पराओं के आधार पर मनाया जाने वाले रोट तीज पर्व पर आज भी पारंपरिक खाद्य सामग्री ही उपयोग में ली जाती है। कोयलें की आंच पर सिगड़ी में मिट्टी के तवे पर ही रोट बनाया जाता है। दशलक्षण महापर्व की शुरूआत से पहले रसोई को साफ करके शुद्ध मसालों और हाथ की चक्की से मोटा आटा पीसकर रोट बनाया जाता है। पहला रोट मंदिर में विराजमान तीर्थंकरों को अर्पित किया जाता है। इसे दही, बूरे, तुरई की सब्जी और रायता से खाया जाता है।